मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY–004

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम.ए.जे.वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.जे.वाई.–004 : कुण्डली निर्माण

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए : $3 \times 20 = 60$

(क) लग्न-साधन विधि को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

(ख) भयात-भभोग साधनपूर्वक चन्द्रग्रह को स्पष्ट स्वकल्पित उदाहरण से स्पष्ट कीजिए।

(ग) सप्तवर्ग कौन-कौन से हैं ? नवांश साधन को विस्तार से लिखिए।

(घ) संसन्धि द्वादशभाव साधन विधि को लिखिए।

(ङ) विंशोत्तरी महादशा साधन विधि को प्रस्तुत कीजिए।

(च) योगिनी दशा के महत्व को विस्तार से लिखिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$4 \times 10 = 40$

(क) नवीन व प्राचीन विधि से अयनांश साधन कीजिए।

(ख) सोदाहरण चालन विधि को लिखिए।

(ग) षड्बलों के नाम क्रमशः लिखिए तथा स्थानबल पर विशेष प्रकाश डालिए।

(घ) सूर्याष्टकवर्ग का वर्णन कीजिए।

(ङ) अन्तर्दशासाधन विधि को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

(च) नत साधन को चक्र द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(छ) विंशोपक बलसाधन स्पष्ट कीजिए।

(ज) नैसर्गिक ग्रहमैत्री को चक्र सहित लिखिए।

× × × × ×